नईदुनिया
रायपुर
शुक्रवार, 9 फरवरी 2018

# रविवि में वैदिक मंत्रों के बीच योगासन के योद्धाओं ने किया योग यज्ञ

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

**स्टूडेंट्स ने स्वयं तैयार की महाप्रसादी**

माता सरस्वती के पूजन से जीवन में विद्या का वसंत आता है। वसंत पंचमी हमारे जीवन में विद्वता की सौगात लाती है। ऐसे में विभाग के योगासन के योद्धाओं का योग यज्ञ आयोजन होना विवि कैंपस के साथ शैक्षणिक माहौल के लिए काफी सुखद बात है। इस तरह का पहली बार हुआ आयोजन कहीं न कहीं विभाग की बेहतर उपलब्धता को दर्शाता है। यह बात रविवि के रजिस्ट्रार व प्रभारी कुलपति संदीप वानसुत्रे ने स्वामी विवेकानंद स्मृति तुलनात्मक धर्म, दर्शन व योग अध्ययनशाला विभाग में आयोजित योग यज्ञ-2018 में कही। वहीं यज्ञ के मुख्य यजमान विभागाध्यक्ष डॉ.भगवंत सिंह सपत्नीक शामिल रहे।

**मां गायत्री की पूजा हुई:** विवि की योग अध्ययनशाला में पहली बार योग यज्ञ आयोजन कर वसंत पंचमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विभाग एमए और डिप्लोमा में योग की पढ़ाई कर रहे लगभग 200 विद्यार्थी शामिल हुए। स्टूडेंट्स व प्रोफेसर ने मां गायत्री का पूजापाठ व यज्ञ पूरे वैदिक मंत्रों के साथ किया। पूरे विधि-विधान से तीन चरणों में यज्ञ क्रिया चली। यज्ञ-क्रिया का संचालन, मंत्रों के उच्चारण के लिए गायत्री परिवार से पंडितों को भी बुलाया गया था।

## आडंबर से किया परहेज

आयोजन को किसी भी प्रकार के आडंबर खर्च से दूर रखा गया । बेहत साधगी व धार्मिक नियम के अनुसार यज्ञ संपन्न हुआ। वहीं यज्ञ में वसंत पंचमी के महत्व को ध्यान में रखते हुए सभी स्टूडेंट्स पीले रंग के वस्त्र धारण किए हुए थे। साथ ही महाप्रसाद में फल, खिचड़ी, हलवा, चटनी विभाग के स्टूडेंट्स ने तैयार किया। जिसे कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को पंगत में बैठाकर केले के पत्ते पर प्रसाद का दिया गया।

## विभाग को फूलों से सजाया

इस दौरान पूरे विभाग को फूलों से सजा कर सरस्वती माता की पूजा-अर्चना के साथ भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जीवंत किया गया। यज्ञ कार्यक्रम में पौधरोपण का भी कार्यक्रम रखा गया, जिसमें पीपल के वृक्ष गौतम बुद्ध की याद में केले का पेड़ भारतीय संस्कृति और यज्ञ के प्रतीक के रूप में आंवले का पेड़ आंवला नवमी के प्रतीक के रूप में नीम लगाया गया। परिसर में स्थापित माता सरस्वती की विधि-विधान से पूजन-आरती करने के बाद विभागाध्यक्ष डॉ.भगवंत सिंह ने योग विभाग के छात्रों संबोधित किया। उनका कहना था कि योग से जुड़ने वाले छात्र-आचार्य स्वमेव आध्यात्मिक हो जाते हैं। वहीं कुंडीय यज्ञ का स्टूडेंट्स को भारतीय सभ्यता-संस्कृति से जोड़ने के साथ विवि कैंपस के सर्वांगीण विकास व मंगल कामना के लिए किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभाग के सभी स्टूडेंट्स बधाई के पात्र हैं। आयोजन की पूरी रूपरेखा विभाग के सहायक आचार्य हरिकांत मिश्रा ने तैयार किया। कार्यक्रम में उप कुलसचिव सहित प्रोफेसर जीएल गहरे, मास्टर ट्रेनर कप्तान सिंह, मास्टर ट्रेनर सन्मुख राव समस्त छात्र सहित उपस्थित रहे।